मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

04 दिसम्बर 2024

वर्ष - 02, अंक - 31 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 75,133 Silver 91,710 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

प्राइवेट अस्पताल को ट्रीटमेंट और जांच की रेट लिस्ट लगाना होगा अनिवार्य, सरकार ने जारी किया आदेश

निजी अस्पताल प्रबंधन अपनी मनमानी नहीं कर पाएंगे

भोपाल 4 दिसम्बर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में प्राइवेट अस्पतालों में इलाज और जांच के नाम पर हमेशा मनमानी राशि लेने के आरोप लगते रहे हैं. लेकिन, अब इन पर लगाम लगाने का मध्य प्रदेश सरकार ने मन बना लिया है. अब एमपी के निजी अस्पताल प्रबंधन अपनी मनमानी नहीं कर पाएंगे, क्योंकि अब सरकार ने निजी प्राइवेट अस्पताल को ट्रीटमेंट और जांच की रेट लिस्ट लगाने के निर्देश दिए हैं. प्राइवेट अस्पतालों में रेट लिस्ट लगाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त की ओर स दिए गए हैं. मरीजों के अधिकार और हितों का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है ।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया आदेश - स्वास्थ्य विभाग आयुक्त तरुण राठी ने आदेश जारी किया है. उन्होंने जारी किए गए आदेश में कहा कि सभी चिकित्सकीय सेवाओं की दर सूची रेट लिस्ट प्रमुखता से प्रदर्शित करें. स्वास्थ्य

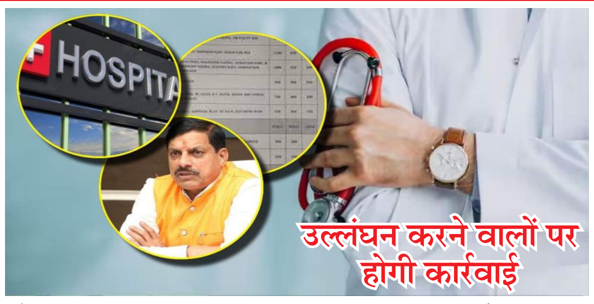

और चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरुण राठी ने साफ कहा है कि अस्पताल में काउंटर पर रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य है ।

स्वास्थ्य आयुक्त के अनुसार रोगी या उनके परिजनों द्वारा मांगे जाने पर अस्पताल मैनेजमेंट को रेट सूची दिखाना होगा. किसी अस्पताल को यदि रेट लिस्ट में संशोधन करना हो, तो इसकी सूचना मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ को देना होगा. संशोधित रेट लिस्ट को भी प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा ।

रेट लिस्ट नहीं तो होगी कार्रवाई - आयुक्त की ओर से अपने निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि रेट लिस्ट के बिना अतिरिक्त शुल्क लेना नियमों का उल्लंघन है. अस्पतालों की ओर से मनमाने रेट वसूलने की घटनाओं को रोकने के लिए आयुक्त ने सीएमएचओ को लगातार निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए हैं. आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि जिन प्राइवेट अस्पतालों में रेट लिस्ट नहीं होगी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे पर अतिक्रमण हटाने के लिए तय की जिम्मेदारी, निरीक्षण के दौरान अवैध कब्जों की रिपोर्टिंग भी अनिवार्य

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर अनधिकृत कब्जों और अतिक्रमण के बढ़ते मामलों से चिंतित सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने निरीक्षण और निगरानी और इन कब्जों को तत्काल हटाने की नई योजना अपनी एजेंसियों के साथ ही राज्य सरकारों के साथ साझा की है। इसके तहत निरीक्षण करने वाले अधिकारी के लिए अवैध कब्जों की रिपोर्टिंग और उन पर कार्रवाई का पूरा ब्यौरा देना अनिवार्य किया गया है।

कार्रवाई में अवैध कब्जे के कारण हुए नुकसान की वसूली शामिल है। यह कदम एक ऐसे समय उठाया गया है जब केंद्र सरकार ने पिछले दिनों संसद में

बताया है कि पिछले तीन वर्षों में हाईवे पर अतिक्रमण के मामलों में न तो कोई कार्रवाई की जा सकी और न ही एक रुपये का जुर्माना वसूला जा सका। इसके साथ ही सरकार ने एक अलग सवाल के जवाब में यह भी स्वीकार किया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर और उनके किनारे रिबन डेवलपमेंट के रूप में अनधिकृत कब्जों, पार्किंग, अतिक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं।

तीन साल में अवैध कब्जे पर नहीं हुआ एक भी केस

अब इस समस्या से निपटने के लिए मंत्रालय ने राज्यों के मुख्य सचिवों और लोक निर्माण विभाग के मुख्य इंजीनियरों के साथ ही अपनी एजेंसियों को भेजी गई चिट्ठी में कहा है कि कंट्रोल आफ नेशनल हाइवेज (लैंड एंड ट्रैफिक) 2002 में एनएचएआइ के सभी परियोजना निदेशकों और राज्यों में पीडब्ल्यूडी के प्रमुखों को हाईवे प्रशासन का अधिकार दिया गया है।

राष्ट्रीय राजमार्गों को अनधिकृत कब्जों से मुक्त रखना जरूरी है और इसके लिए यह फैसला किया गया है कि निरीक्षण में कब्जे की प्रकृति और उसकी गंभीरता भी बतानी होगी। इसके बाद उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी। हाईवे प्रशासन को भी हर दो महीने में अवैध कब्जे और अतिक्रमण की जांच के लिए राजमार्गों के निरीक्षण के लिए कहा गया है, जबकि मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय को यह काम हर महीने करना है।

अतिक्रमण की शुरुआत होती है तो उसे तुरंत रिपोर्ट करेंगे

इसके साथ ही मंत्रालय ने यह भी व्यवस्था की है कि उसकी एजेंसियां और उससे जुड़े ठेकेदार प्रोजेक्ट की पूरी लंबाई पर लगातार निगाह रखेंगे और यदि किसी अवैध कब्जे अथवा अतिक्रमण की शुरुआत होती है तो उसे तुरंत रिपोर्ट करेंगे। ईपीसी, बीओटी और हाइब्रिड एनुइटी यानी सभी तरह की परियोजनाओं से जुड़े ठेकों में कब्जे होने से रोकना, उसकी खबर देना और अंततः उसे हटाना एक अनिवार्य प्रावधान है। मंत्रालय ने इसके साथ ही अवैध कब्जेदारों को दिया जाने वाले नोटिस, क्षतिपूर्ति के बिल और वसूली के प्रमाणपत्र के फार्मेट भी साझा किए हैं।

बिना वैध कारण अलार्म चेन पुलिंग की तो भरना होगा भारी जुर्माना!

भोपाल 4 दिसम्बर (एजेंसी)। रेल मंडलः भारतीय रेलवे अपने यात्रियों को समय पर और सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है। लेकिन कुछ यात्रियों द्वारा बिना उचित कारण अलार्म चेन पुलिंग करने से न केवल गाड़ियां देरी से चलती हैं, बल्कि रेलवे को भारी नुकसान का सामना भी करना पड़ता है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए भोपाल मंडल के रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री प्रशांत यादव के नेत्रित्व में 06 दिसंबर 2024 से रेल सुरक्षा बल (RPF) द्वारा एक विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है ।

अवैध अलार्म चेन पुलिंग पर लगेगा जुर्माना + ट्रेन रोकने का खर्चा -अब यदि किसी यात्री ने बिना उचित कारण के अलार्म चेन खींचा,

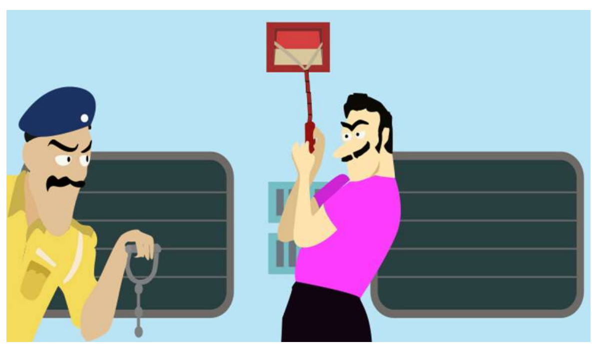

तो उसे 500 का जुर्माना ही नहीं बल्कि ट्रेन की रोकने (डिटेंशन) का खर्च भी चुकाना होगा। रेलवे ने यह लागत 8,000 प्रति मिनट निर्धारित की है ।

उदाहरण के तौर पर - यदि ट्रेन 5 मिनट के लिए रुकी, तो जुर्माना 500 + 8,000 x 5 = 40,000, कुल 40500 । अगर ट्रेन 10 मिनट के लिए रुकी, तो कुल जुर्माना 500 + 8,000 x 10 = 80,500 । यह लागत और भी बढ़ सकती है, क्योंकि चेन पुलिंग से प्रभावित अन्य गाड़ियों का भी डिटेंशन चार्ज वसूला जाएगा, जो 1 लाख तक पहुंच सकता है ।

केवल इन दो कारणों पर मान्य होगी अलार्म चेन पुलिंग - भोपाल मंडल ने यात्रियों को चेताया है कि केवल दो विशेष परिस्थितियों में अलार्म चेन पुलिंग मान्य मानी जाएगी ।

यात्री की जान को खतरा हो, जैसे गिरने की स्थिति में दुर्घटना टालने के लिए । 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों या 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति का छूट जाना – यदि वे चढ़ नहीं पाए और ट्रेन चल पड़ी । इनके अलावा हर अन्य कारण को अवैध माना जाएगा ।

अन्य नियम और चेतावनी - यदि चेन पुलिंग के दौरान कोई यात्री ट्रेन से उतरकर भागने का प्रयास करता है, तो उसे भी दोषी मानकर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

स्टेशन पर लगातार यात्रियों को जागरूक करने के लिए घोषणा, पोस्टर, और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं ।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में कांग्रेस जन रैली एवं विरोध प्रदर्शन में शामिल हों - चौरसिया

नीमच 3 दिसम्बर (निप्र)। आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश बनाया था किंतु आज इस बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं महिलाओं की अस्मत लूटी जा रही है इस्कॉन मंदिर के संत को कारागार में डाल यातनाएं दी जा रही है हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा रहा है इसके विरोध में नीमच में सर्व समाज द्वारा रैली व विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है जिले के समस्त कांग्रेस जन , पदाधिकारी इस विरोध प्रदर्शन और रैली में राष्ट्रीय तिरंगा झंडा लेकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें ।

दुपहिया उत्पादन कंपनियों हेतु प्रोत्साहन को लेकर सांसद ने लोकसभा में किया प्रश्न....

चीन को पीछे छोड़ भारत बना दुपहिया वाहन बाजार का हब - सांसद गुप्ता

मंदसौर 4 दिसम्बर (निप्र)। दुपहिया वाहन को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होने कहा कि भारत ने विश्व के सबसे बड़े दुपहिया बाजार के रूप में चीन को पीछे छोड़ दिया है । इसका ब्यौरा क्या है। सरकार का विचार देश में दुपहिया वाहन बनाने वाली कंपनियों को, विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक इनकी पहुंच को अधिकतम करने के लिए प्रोत्साहन देने का है।

सरकार का विचार इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इस प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम से जोड़ने का है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या उपाय किए गए हैं। प्रश्न के जवाब में भारी उद्योग मंत्रीएच. डी. कुमारस्वामी ने बताया कि सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल मैन्युफैक्चरर्स से प्राप्त सूचनानुसार, कैलेंडर वर्ष 2023 में चीन में 16.6 मिलियन यूनिट दुपहिया वाहन बेचे गए, जबकि कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत में कुल पंजीकृत दुपहिया वाहन 17.10 मिलियन थे (कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए वाहन डेटाबेस के अनुसार)। उन्होने बताया कि भारत में शुरुआती स्तर के दुपहिया वाहन निर्माता देश के ग्रामीण क्षेत्रों में पहले ही से पैठ बना चुके हैं। ऑटोमोबिल और ऑटो संघटकों के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम को सरकार ने 15 सितंबर, 2021 को 25,938 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ अनुमोदित किया है ताकि उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिले और ऑटोमोटिव विनिर्माण मूल्य श्रृंखला में निवेश आकर्षित हो सके। एएटी दुपहिया वाहन भी स्कीम के तहत विनिश्चित बिक्री मूल्य पर 13 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक के आर्थिक प्रोत्साहन के पात्र हैं। 26 नवंबर .2024 की स्थिति के अनुसार, स्कीम के तहत पांच दुपहिया मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अनुमोदित किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में इंदौर, भोपाल, जबलपुर सहित प्रदेश के सभी शहरों में निकाली जा रही आक्रोश रैली

भोपाल 4 दिसम्बर (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और तोड़े जा रहे मंदिरों के विरोध में आज प्रदेश के शहरों में प्रदर्शन हो रहा है। प्रदर्शन में हिंदूवादी संगठन, धार्मिक व सामाजिक संगठनों की सहभागिता के साथ आमजन, व्यापारी समेत सभी वर्ग के लोग सम्मिलित होकर जुलूस भी निकाल रहे हैं।

इसके साथ ही बुद्धिजीवी वर्ग से कई साहित्यकार, शिक्षक, सेना के पूर्व कमांडर, सेवानिवृत्त अफसर, डॉक्टर, प्रोफेशनल, भी शामिल होकर अपना विरोध जता रहे हैं। भोपाल के कार्यक्रम में भाजपा नेता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय मुख्य वक्ता रहेंगे। इंदौर में लाल बाग तक जुलूस निकाला जा रहा है।

इंदौर में रैली का रूट पड़ा छोटा – इंदौर में अब तक कि सबसे बड़ी जनआक्रोश रैली निकाली। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक पर हो रहे अत्याचार के विरोध में निकली रैली में रूट छोटा पड़ गया। रैली कलेक्टर चोराहे पर पहुंच गई थी, जबकि लोग दशहरा मैदान तक खड़े रहे, ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग लालबाग भी नहीं पहुंच सके। रैली का रूट पड़ा छोटा।

मानव अधिकार की बात करने वाले लोग कहां हैं - कलेक्टर चौराहे पर जनसभा में मुख्य वक्ता खगेन्द्र भार्गव ने कहा कि कुछ, लोग कहते हैं कि यहां रैली करने से क्या होगा। यहां रैली करने से बांग्लादेश में सांत्वना उठेगी, अब इंग्लैंड की संसद में भी हिन्दू अत्याचार की मांग उठने लगी है। जहां- जहां हिन्दू है वहां अब आवाज उठेगी, हिन्दू अत्याचार नहीं सहेगा।

जैसा तिरंगा और भगवा यहां लहरा रहा है, वैसा भगवा बांग्लादेश की संसद में लहराया जाएगा। भार्गव ने कहा- कोई अखलाख मरता है, कश्मीर में आतंकवादी मरता है, तो मानव अधिकार आयोग आ जाता है। कसाब और अन्य आतंकवादी पर आंसू बहाने वाले मानव अधिकार के लोग कहा हैं।

भोपाल में प्रदर्शन पर जुटी भीड़ - भोपाल में सकल हिंदू समाज का भारत माता चौराहे पर विराट प्रदर्शन में भीड़ जुट रही है। यहां भगवा ध्वज थामे लोग पहुंचे। ये जय जय श्रीराम के जयकारे लगा रहे। भारत माता चौराहे के पहुंच मार्गों पुलिस तैनात है।

देवास में भी निकली रैली - देवास के क्लब ग्राउंड में जुटे हजारों लोग। सर्व समाज जिला देवास के बैनर तले क्लब ग्राउंड से रैली के रूप में करीब 5 हजार से अधिक लोग जवाहर चौक पहुंचकर कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देंगे।

दो पीड़ित परिवारों को आठ लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नीमच 3 दिसम्बर (निप्र)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नीमच डॉ.ममता खेड़े ने राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग 6(4) तहत दो पीडित परिवारों को 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। ग्राम सेमार्डा निवासी मृतक राजुलाल पिता बंशीलाल की पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर मृतक की वारिस पत्नी जशोदाबाई, पुत्रियों सीताबाई,राधाबाई,हर्षिता को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी तरह ग्राम कुचडोद निवासी पुष्कर पिता मोहनलाल धानका को जहरीले जानवर के काटने से मृत्यु होने जाने पर मृतक के वारिस मोहन लाल पिता भवरलाल धानका को 4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री

महायुति ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, गुरुवार को शपथ ग्रहण

मुंबई 4 दिसम्बर (एजेंसी)। महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा इस रहस्य से पर्दा उठ गया। मुंबई में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें उम्मीद के मुताबिक देवेंद्र फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना गया। अब 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण होगा। कल फडणवीस के साथ ही एकनाथ शिंदे और अजित पवार ही शपथ लेंगे।

देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। बुधवार को मुंबई स्थित भाजपा भवन में हुई पार्टी विधायक दल की बैठक में फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना गया। अब 5 दिसंबर, गुरुवार को शपथ ग्रहण होगा।

भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद तीनों नेता यानी देवेंद्र फडणवीस के साथ ही डिप्टी सीएम बनने वाले एकनाथ शिंदे और अजित पवार राजभवन गए और सरकार बनाने का दावा पेश किया। साथ ही विधायकों के समर्थन की चिट्ठी भी सौपी। इस तरह महाराष्ट्र की राजनीति में चली आ रही असमंजस की स्थिति आज दूर हो गई। इस बीच, मध्य प्रदेश में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से खबर है कि देवेंद्र फड़णवीस ने महाकाल मंदिर के पुजारी को शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

मंत्रिमंडल का गठन बाद में होगा - महाराष्ट्र में गुरुवार शाम को 5 बजे नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। अभी देवेंद्र फडणीस के साथ ही एकनाथ शिंदे और अजित पवार ही शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल का गठन बाद में दिया जाएगा। पहले कहा गया था कि कुछ विधायक भी शपथ ले सके हैं।

अजित की बात पर हंस पड़े सभी नेता - मीडिया ने सवाल पूछा कि शिंदे और पवार डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। इस पर अजित पवार ने कहा- कोई ले रहा है, या नहीं, ये अलग बात है। इन लोगों का शाम तक तय होगा पर मैं तो कल शपथ ले रहा हूं यह तय है। इस पर शिंदे ने कहा कि अजित दादा को दिन में और शाम को शपथ लेने का अनुभव है।

फडणवीस बोले- हम तीनों एक

देवेंद्र फडणवीस ने कहा- हम तीनों नेता एक हैं। डिप्टी सीएम और सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। कौन-कौन शपथ लेगा, ये शाम तक बता दिया जाएगा। मैंने एकनाथ जी से सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का अनुरोध किया था।

शिंदे बोले- इस बार मैं फडणवीस का नाम ले रहा हूं

एकनाथ शिंदे ने कहा- मुझे क्या मिल रहा है, यह सवाल ही नहीं था। हमारे मन में सिर्फ यह भावना थी कि महाराष्ट्र को क्या मिला। इसी पर हमने काम किया। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। सब ठीक है। पिछली बार देवेंद्र फडणवीसजी ने मेरे नाम की सिफारिश की थी। इस बार मैं उनका नाम मुख्यमंत्री के तौर पर ले रहा हूं।

इससे पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुना गया। इसके बाद फडणवीस मुख्यमंत्री आवास वर्षा पहुंचे, यहां शिंदे और पवार के साथ बातचीत की। सूत्रों के मुताबिक यहां मंत्रियों के नामों पर चर्चा हुई। शाम तक नाम भी सामने आ जाएंगे।

महाराष्ट्र में सरकार बनने में क्यों हुई देरी - महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों का परिणाम 23 नवंबर को घोषित हुआ था। भाजपा की अगुवाई में महायुति (शिंदे शिवसेना और अजित पवार एनसीपी) ने शानदार प्रदर्शन किया और प्रचंड बहुमत हासिल किया। हालांकि आज तक मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं हुआ था।

विपक्षी भी इस मुद्दे पर हमलावर था। कहा जा रहा था कि एकनाथ शिंदे गृह मंत्रालय चाहते हैं, जिसके लिए भाजपा तैयार नहीं है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बहरहाल, ताजा खबर यह है कि तीनों पक्षों ने समाधान निकाल लिया है। देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, जबकि शिंदे और अजित पवार डिप्टी सीएम बनेंगे।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

इस मौसम में शरीर को गर्म और दिल को हमेशा खुश रखें। क्योंकि सेहत सबसे बड़ी धरोहर है।

सर्दी को नई शुरुआत के रूप में देखिए

और बढ़ाइए एक कदम स्वस्थ जीवन की ओर...

सर्दी एक नए आशावाद का प्रतीक है। इस मौसम की शांति हमें अपने जीवन की दिशा पर विचार करने का समय देती है। गुनगुनी धूप के साथ बिताए गए हर पल में, हम सर्दियों के असल सौंदर्य को महसूस कर सकते हैं। एक ऐसा सौंदर्य, जो हमें सर्दी के ठंडे वातावरण में भी गर्माहट का अहसास कराता है। इस सर्दी को एक नई शुरुआत के रूप में देखिए...

गुनगुनी धूप का लीजिए टॉनिक

डॉ. रमाकांत शर्मा
प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ

सर्दियों में, जब धूप हल्की और कोमल होती है, तो यह मानो प्रकृति का तोहफा बन जाती है। सूरज की नरम किरणों में समय बिताना नई ऊर्जा से भर देता है। चेहरे पर यह धूप जब पड़ती है, तो न सिर्फ शरीर को आराम मिलता है, बल्कि मन भी खुश हो जाता है। क्या आपने कभी महसूस किया है कि गुनगुनी धूप में बैठने से चिंता का बोझ हल्का महसूस होता है? यही होता है जब हम इस मौसम की सुंदरता को अपने जीवन में समाहित करते हैं। क्योंकि यह गुनगुनी धूप शरीर को विटामिन डी का पोषण प्रदान कर रही होती है।

धूप में बैठने का आदर्श समय और तरीका

***धूप** के स्वास्थ्य लाभ तभी अधिकतम होते हैं, जब हम सही समय पर और सही अवधि तक इसका सेवन करते हैं, तो जानिए सर्दियों में धूप का सही समय क्या है?*

- ***सुबह 07 से 10 बजे की धूप :*** सर्दियों में इस समय की धूप सबसे फायदेमंद मानी जाती है। यह समय आदर्श है जब सूरज की रोशनी शरीर में सही तरीके से प्रवेश कर सकती है। इस समय धूप त्वचा पर हल्का प्रभाव डालती है। 15 से 30 मिनट तक धूप में बैठना इस समय पर्याप्त होता है।
- ***दोपहर की तेज धूप से बचें:*** दोपहर के समय खासकर 12 बजे के बाद धूप तेज होती है, जो त्वचा के लिए नुकसानदेह हो सकती है। अधिक देर तक धूप में बैठने से सनबर्न की समस्या हो सकती है।

सूरज की रोशनी के पांच बड़े फायदे

1. *विटामिन डी का खजाना:* सूरज की रोशनी शरीर में विटामिन डी के निर्माण को बढ़ावा देती है। विटामिन डी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और कैल्शियम अवशोषण में सहायक होता है। विटामिन डी की कमी से जोड़ों में दर्द और हड्डियों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

2. *सुरक्षा कवच:* धूप के संपर्क में आने से शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जो सर्दी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियों से बचाने में मदद करता है। सर्दियों में इंफेक्शन का खतरा अधिक होता है। सूर्य की हल्की किरणें शरीर को एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच प्रदान करती हैं।

3. *डिटॉक्सिफिकेशन की प्रक्रिया तेज होती:* धूप शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करती है। सूरज की रोशनी से शरीर में प्राकृतिक रूप से होने वाली डिटॉक्स प्रक्रिया तेज होती है, जिससे त्वचा की चमक और शरीर की ताजगी बरकरार रहती है।

4. *हैप्पी हार्मोन का स्तर बढ़ता:* सर्दियों में धूप में बैठने से सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो मूड को बेहतर बनाने और मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है।

5. *रक्तचाप और रक्त संचार में सुधार :* गुनगुनी धूप से रक्तचाप नियंत्रित रहता और रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे सभी अंगों तक ऑक्सीजन व पोषक तत्त्व अच्छे से पहुंचते हैं।

तीन जरूरी बातें

1. **सिर को हल्का ढकें -** जब धूप में बैठें, तो सिर को हल्का ढककर रखें, ताकि ज्यादा गर्मी से बच सकें।
2. **मॉइश्चराइजर का उपयोग करें-** धूप में बैठने से पहले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
3. **सलाह लें -** शिशु को कितनी देर तक धूप में रख सकते हैं, प्राकृतिक चिकित्सक से सलाह लें।

किड्स केयर

बच्चे के हाइड्रेशन को भूल न जाना

यह मौसम बच्चों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ठंड में बच्चे कम पानी पीते हैं। उनके लिए भी हाइड्रेशन बेहद जरूरी है, ताकि सेहत पर असर न पड़े। इसलिए हाइड्रेशन का ध्यान रखें।

- ***पानी का सेवन बढ़ाएं:*** सर्दी में बच्चों को अक्सर पानी पीना याद नहीं रहता। इसलिए उन्हें नियमित अंतराल पर पानी पिलाना जरूरी है। बच्चों को लुभावने तरीके से पानी पीने के लिए प्रेरित करें, जैसे रंग-बिरंगी पानी की बोतलें या उनका पसंदीदा फ्लेवर का पानी जैसे नींबू पानी या नारियल पानी।
- ***सूप व जूस :*** सर्दी में गर्म सूप और ताजे फलों के जूस का सेवन भी हाइड्रेशन के लिए फायदेमंद होता है। सूप में सब्जियों और मसालों का मिश्रण होने से यह न केवल हाइड्रेशन देता है, बल्कि बच्चे का इम्यून सिस्टम भी मजबूत करता है।
- ***गर्म पेय पिलाएं :*** दूध और दही भी हाइड्रेशन का एक बेहतरीन स्रोत हैं। सर्दी में गर्म दूध बच्चों को आराम और राहत देता है। वहीं बच्चों को बाजरे व मक्का की राबड़ी बनाकर खिलाएं। यह पौष्टिकता से भरपूर होती है।

न्यूट्रिशन/डाइट

हर्बल चाय-काढ़ा पीने का समय आ गया

शिल्पी गोयल
आहार विशेषज्ञ

सर्दियों का मौसम न सिर्फ ठंडक और सुकून लेकर आता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य और आहार पर विशेष ध्यान देने का भी समय है। सर्दियों में सही आहार लेने से न केवल रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, बल्कि यह हमें ऊर्जावान और स्वस्थ बनाए रखता है।

विटामिन सी व ए युक्त चीजें खाएं

सर्दियों के मौसम में बाजार में हरी सब्जियों और मौसमी फलों की बहार होती है। इनमें पाए जाने वाले पोषक तत्त्व जैसे विटामिन सी, ए और फाइबर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। ये न केवल शरीर को गर्म रखते हैं बल्कि त्वचा को भी चमकदार बनाए रखते हैं।

सुपरफूड

सर्दियों में कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं जिन्हें 'सुपरफूड' कहते हैं। तिल व अन्य सीड्स न सिर्फ शरीर को गर्म रखते हैं, बल्कि आयरन और कैल्शियम का स्रोत भी हैं। घी- मक्खन को सीमित मात्रा में खाने से जोड़ों व हड्डियों की मजबूती बनी रहती है।

प्रोटीन व फाइबर

सर्दियों में हमारा पाचन तंत्र अपेक्षाकृत धीमा हो सकता है। ऐसे में प्रोटीन और फाइबर युक्त भोजन पाचन को सही बनाए रखते हैं। दालें और बीन्स जैसे मसूर की दाल, राजमा और छोले। बाजरा, जौ और रागी जैसे साबुत अनाज का सेवन करें।

हर्बल चाय और काढ़ा

कैफीन से बचें। इसकी जगह हर्बल चाय और काढ़ा पीएं। तुलसी, अदरक, दालचीनी और काली मिर्च से बना काढ़ा सर्दी-जुकाम से बचाता है। शरीर को गर्म भी करता है।

आंवले का सेवन अधिक करें

सर्दियों में यह फायदेमंद होता है। यह विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो सर्दियों में इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करता है।

बी अवेयर : बुजुर्गों के लिए यह सीजन सावधानी बरतने वाला

बाहर ठंड है, आप भी थोड़ा सतर्क हो जाएं

डॉ. सुनील सुथार
वृद्धावस्था मनोचिकित्सक

जब तापमान गिरता है, तो वृद्धों में मौसम से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस समय उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है।

सीओपीडी

इस समय हवा में नमी और ठंडक बढ़ने से बुजुर्गों में सांस की समस्याएं जैसे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और अन्य श्वसन संबंधी रोग उत्पन्न हो सकते हैं।
सावधानी: घर के अंदर की हवा को शुद्ध और गर्म रखें। धूम्रपान से बचें और घर में ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें।

सर्दी और फ्लू

इम्युनिटी कमजोर होने से सर्दी, खांसी, और फ्लू की समस्या बढ़ जाती है।
सावधानी: गर्म कपड़े पहनने, हाथ धोने और स्वच्छता की सलाह दें।

परिजन इन बातों का रखें ध्यान

- **बुजुर्ग** घर के अंदर ही रहें (या बहुत अधिक समय तक बाहर न रहें)।
- **घर** के अंदर का तापमान सही रखें।
- **थर्मल्स** पहनें, ध्यान रखें कि कम से कम दो परत में कपड़े पहनें।
- **बुजुर्गों** में यूरीन इनकॉन्टिनेंस की समस्या होती है तो कपड़े गीले होने पर तुरंत बदलें। टोपी, दस्ताने जूते और मुंह व नाक ढकने के लिए स्कार्फ जरूर रखें।

जॉइंट पेन व आर्थराइटिस

जोड़ों का दर्द और आर्थराइटिस की समस्या बढ़ सकती है, क्योंकि ठंड से मांसपेशियों व जोड़ों में संकुचन होता है।
सावधानी: गर्म पानी से स्नान, हीट पैड का उपयोग, हल्का व्यायाम और डॉक्टर की ओर से सुझाई गई दर्दनिवारक दवाओं का सेवन करें।

बीपी की समस्या

हाइपरटेंशन या लो ब्लड प्रेशर की समस्या वाले बुजुर्गों को ठंड से यह समस्या बढ़ सकती है।

जब घुटनों और पैरों में सूजन आ जाए तो...

इस सीजन में बुजुर्गों के शरीर का रक्त संचार धीमा हो जाता है, जिससे पैरों और घुटनों में सूजन या ऐंठन हो सकती है।
सावधानी: पैरों को लटकाकर न रखें। गुनगुने पानी से सेक करें।

कमरे में जब रूम हीटर लगाएं

सर्दी के दिनों में कई लोग कमरा गर्म रखने के लिए रूम हीटर या अंगीठी का प्रयोग करते हैं। अंगीठी का प्रयोग खतरनाक हो सकता है। इससे कार्बन मोनोऑक्साइड निकलती है।
सावधानी: कमरे में अंगीठी का उपयोग न करें। धुआं भरने का पता चले तो तुरंत खिड़की दरवाजे खोल दें। रूम हीटर का उपयोग भी निश्चित समय तक ही करें। उसे पर्दे, बिस्तर या फर्नीचर से कम से कम 3 फीट की दूरी पर रखें।

अम्मा का अलमारी से लगाव याद आया। आज अम्मा के इस घर में अलमारी के लिए कमरे में जगह नहीं। इसलिए पुरानी कामवाली बाई को अलमारी देने का निर्णय किया था।

अम्मा की अलमारी

प्रभा पारीक

बचपन से लेकर आज तक न जाने क्यों अनेक बार खोल कर देख लेने के बावजूद भी हमारे लिए अम्मा की अलमारी एक रहस्य ही रही। जब भी मां अलमारी खोलती हम सबसे पहले आ धमकते, हमें तो सब कुछ चीजों का पता ही होता था। एक खाना था, जिसमें छोटी बहन की दूध पीने की बोतल जो कि कांच की थी उस बोतल से दोनों तरफ से दूध पीया जा सकता था। बहुत देर से समझ आया था कि अम्मा अपनी दूसरे नंबर की बेटी को खो चुकी थी। ये उसकी यादें थीं।

अम्मा ने अपने विवाह के कुछ कपड़े और बचपन के सामान सहेज कर रखे थे। थोड़ी समझ आने पर हमें भी उन चीजों से लगाव हो गया था। अम्मा की अलमारी के एक खाने में पुरानी वायल की साड़ी के टुकड़े में लपेट मां का विवाह का लहंगा सूट रखा था। अम्मा जब विवाह होकर आई थी, उसकी उम्र 13 वर्ष थी। छोटी सी बहू का छोटा सा लहंगा। अब तक तो वह हमारे लिए भी छोटा पड़ने लगा था। जब भी वो अलमारी से बाहर निकलता हम पुलकित होते, सोचते अम्मा इसे पहनकर कैसी लगती होगी।

वह सोने की छोटी-छोटी चूड़ियां और पायल मां ने आज तक किसी को न तो दीं और न ही बदलवाई थीं। एक आध मर्दाना साफे और टोपियां। उनके समय में पुरुषों के लिए भी सिर पर कुछ पहनना अनिवार्य था। कुछ चीज जो हमारे लिए अजूबा थी जैसे कि महिलाओं को कान में पहनने वाले गहनों का भार न सहन करना पड़े, इसके लिए सोने की बनी तरह-तरह की गूंथी हुई डोरियां, हाथ फूल जैसे पुराने परंपरागत गहने। जिन्हें हम रोमांच से हाथ में लेकर देखते। थोड़े बड़े हुए तो पहनकर भी देखे थे।

आज अम्मा को गए तीन वर्ष होने को हैं। उनकी अलमारी आज वर्षों बाद खुली थी। गुजरने से पहले कुछ समय से अम्मा घर के बाहर ही थीं। अम्मा के कहने पर जरूरत का सामान भाई ही निकाल कर अम्मा के लिए ले जाते रहे। इसलिए आज अलमारी उतने सलीके से जमी हुई नहीं थी। बेटों की बहुओं के लिए मां ने जो कुछ अलमारी में रख रखा था, वह अम्मा ने समय पर दे दिया था फिर भी अम्मा की नजर में ऐसा बहुत कुछ था जो उसके लिए बहुत कीमती था।

अम्मा की सगाई में नानाजी ने पिताजी को एक सोने की गिन्नी तिलक करके दी थी। अम्मा ने साठ वर्ष से संभाल कर रखी थी। बीमार होने से पहले एक दीपावली पर अम्मा ने अपना मुझसे लक्ष्मी पूजा का सारा सामान बाहर निकलवाया था, जिसमें पुरानी पड़ी हुई दो और पांच रुपए की गड्डियां भी थीं, जिनके आगे चलने की संभावना नहीं थी। मां ने वो भाभी को सौंप दी थीं। साथ ही अम्मा भाभी को यह बताना नहीं भूली थी कि यह 200 और 500 रुपए उन्होंने कैसे जोड़कर यह गड्डियां मंगवाई थीं। आज मां के बच्चे लाखों कमा रहे हैं। जानती भी थी अम्मा कि उनके अलावा किसी को उनकी कदर नहीं होगी। आज अम्मा नहीं हैं और कल ये अलमारी भी यहां नहीं होगी। उस दिन मुझे अम्मा की अलमारी खाली करने का काम सौंपा गया था। मन भारी था। अम्मा का अलमारी से लगाव याद आया। आज अम्मा के इस घर में इस अलमारी के लिए किसी कमरे में जगह नहीं। इसलिए पुरानी कामवाली बाई को अलमारी देने का निर्णय किया था।

भाभी से मैंने कई बार कहा था अम्मा की यह अलमारी सामान सहित दे दें? नहीं दीदी आप देख लो कहीं कुछ ऐसा रह ना जाए कि बाद में अफसोस हो। सामान में से कुछ भाभी के लिए, कुछ अपनी संवेदनाओं के बस खुद के लिए रखा, जानती थी मेरे बाद भी किसी को दे दिया जाएगा।

मुझे याद है जाने से पहले उस साल अम्मा ने दीपावली पूजन के बाद सारा सामान वापस रखवाया था। भाभी ने रखते समय लिस्ट बनाकर मां को पकड़ाई थी। अगली दिवाली तक मां का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। उस दिवाली मैंने ही अम्मा के कहने पर सारा सामान निकाल लक्ष्मी पूजा के लिए धोया पोंछा था। भाभी ने पूजा करते समय पूछा, 'गिन्नी क्यों नहीं निकाली दीदी?' मैंने कहा, मैंने नहीं देखी। भैया अलमारी के लॉकर में देखने भी गए।

भाभी वहीं होगी, कहकर अलमारी का अखबार बदलने के बहाने ढूंढने का प्रयास करती रही थी। सब चिंतित थे। सोचा या तो पिछले वर्ष भाभी से सामान रखते समय गिर गई होगी। दिवाली के दूसरे दिन हर व्यक्ति चुपके-चुपके गिन्नी ढूंढ रहा था। शाम तक भाभी के मना करने पर भी अम्मा को सच-सच बता दिया था। यह तो भला हो मां का कि उन्होंने हमें किसी को कुछ नहीं कहने दिया। अंत में न जाने क्या सोचकर अम्मा ने भाभी से कहा था, 'कोई बात नहीं लक्ष्मी को लक्ष्मी चली गई।' अर्थात हमारी वृद्ध कामवाली लक्ष्मी को लक्ष्मी मिल गई। वर्षों बीत गए हम सब इस बात को भी भूल गए। मैं भी नए अखबार बिछा रही थी। अचानक नीचे वाले खाने से अखबार निकालते समय मुझे कुछ आवाज के साथ चमकती हुई वह गिन्नी नजर आई। क्या संजोग था। भाभी नाश्ता और भैया घूमने जाने के लिए तैयार थे। और मैं अम्मा की गिन्नी मुट्ठी में दबाए सोच रही थी कि इस खजाने की घोषणा कैसे की जाए। भाभी को मुट्ठी खोलकर दिखाई। भाभी याद करने लगी, दीदी हमने इस गिन्नी को लेकर किस-किस पर शक नहीं किया। कितनों के बारे में हम गलत सोचते रहे। भला हो अम्मा ने किसी को कुछ नहीं कहने दिया।

कुछ देर बाद भाभी ने कहा, दीदी अम्मा नहीं है पर ईश्वर ने इसे आपके लिए ही रखा था। अब आप ही इसे रखिएगा। मैं खड़ी अभी यह सोच रही थी कि भगवान ने इसे मेरे लिए अभी तक छुपा के रखा है। आज बेटी की शादी के समय वह गिन्नी भैया ने मेरे हाथ में थमाई। मन गदगद था। भैया ने अपने बच्चों की शादी के साथ मेरे बच्चों की शादी के बारे में सोचा। ऐसा आशीर्वाद और भाई भाभी भगवान सबको दे।

आयुर्वेद से... यह न सिर्फ ठंडक व आराम का वक्त है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करने का एक बेहतरीन अवसर होता है

इम्युनिटी बूस्ट करने की 10 डोज

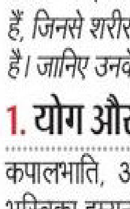

डॉ. सीताराम गुप्ता
आयुर्वेद विशेषज्ञ

आयुर्वेद में इस मौसम के लिए कई विशेष उपाय बताए गए हैं, जिनसे शरीर को गर्माहट मिलती है। जानिए उनके बारे में -

1. योग और प्राणायाम

कपालभाति, अनुलोम-विलोम और भ्रस्त्रिका इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करते हैं। इन्हें 35-40 मिनट तक करना लाभ देता है।

2. बुजुर्गों के लिए पाक

अश्वगंधा, सफेद मूसली व शतावरी का पाक बुजुर्गों के लिए अच्छा है। इन्हें मेवे और गुड़ के साथ मिलाकर बनाते हैं।

3. तिल के लड्डू

सर्दियों में तिल के लड्डू बनाकर या तिल और गुड़ का सेवन करने से शरीर को जरूरी पोषण मिलता है और जोड़ों के दर्द में भी राहत मिलती है। तिल का तेल भी बहुत प्रभावी माना जाता है, जिसको खाने या मालिश के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

4. मेथी के लड्डू

मेथी का सेवन विशेष रूप से लाभकारी होता है। आप मेथी के लड्डू खा सकते हैं या हैल्दी नाश्ता बनाएं तो उसमें मेथीदाना, अजवायन, सोंठ व गुड़ का प्रयोग करें। इनमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं।

5. मालिश का प्रयोग

सर्दियों में शरीर में ठंडक और दर्द दोनों हो सकते हैं, इसलिए तेल से मालिश करना बेहद फायदेमंद है। तिल, सरसों या जड़ी-बूटियों वाले तेल से शरीर की मालिश करने से इम्युनिटी बढ़ती है और रक्त संचार में सुधार होता है।

6. खजूर वाला दूध

खजूर को दूध में उबालकर उसका सेवन सर्दियों में करना लाभकारी होता है। खजूर में आयरन और अन्य पोषक तत्त्व शरीर को गर्माहट प्रदान करते हैं और इम्युनिटी को बढ़ाते हैं। यह प्रोस्टेट की समस्याओं को भी कम करने में मदद करता है।

7. सहजन की सब्जी: सहजन के फूल से बनी सब्जी या परांठे खाने से शरीर को कैल्शियम और अन्य पोषक तत्त्व प्राप्त होते हैं।

8. गोल्डन मिल्क: हल्दी का रस दूध में उबालकर देने से बच्चों को सर्दी-खांसी में राहत मिलती है। हल्दी व गुड़ का हलवा फायदेमंद है।

9. लहसुन खाएं : लहसुन में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं, जो सर्दी-खांसी और संक्रमणों से बचाते हैं।

10. गुड़ का पानी: गुड़ का गुनगुना पानी बच्चों को खांसी और सर्दी में राहत प्रदान करता है।

खुशी के रूप

उमा शंकर बागडी

गुरु जी राम लाल जी के पास उनके परिचित संदीप जी का पुत्र सुनील मिलने के लिए आया। सुनील ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण मैं स्वयंपाठी विद्यार्थी के रूप में आगे पढ़ना चाहता हूं ताकि कुछ पैसे कमाकर पिताजी को परिवार का खर्च चलाने में सहयोग कर सकूं। राम लाल जी अपने मित्र संदीप जी की आर्थिक स्थिति से परिचित थे। वे समझ गए कि सुनील के पढ़ाई बीच में छोड़ने जैसी स्थिति बन रही है। कार्य अधिक होने के कारण सुनील को पढ़ाने का समय उनके पास नहीं था। अचानक ध्यान में आया कि उनके एक परिचित अजय जी अपने कर्जभार को कम करने के लिए अपने अन्य कार्य के साथ-साथ पढ़ाने का अतिरिक्त कार्य करना चाहते हैं। मोबाइल पर तत्काल ही उन्होंने अजय जी को सुनील को पढ़ाने की जिम्मेदारी दे दी और ट्यूशन शुल्क का भुगतान अपनी तरफ से करने की बात कही लेकिन साथ ही अजय जी को ये भी कह दिया कि आप सुनील को केवल यही कहना कि राम लाल जी से अच्छे संबंध होने के कारण निशुल्क ही पढ़ाएंगे।

सुनील को अच्छा शिक्षक मिलने की खुशी थी। अजय जी को ट्यूशन से आय बढ़ जाने की खुशी थी, तो राम लाल जी को दो व्यक्तियों का सहयोग करने की खुशी थी। राम लाल जी ने मन ही मन सोचा, खुशी तेरे कितने रूप?

वाइल्ड लाइफ : जन्म के समय होती हैं आंखें नीली

रातभर दौड़ सकता है भेड़िया!

भेड़िया बहुत ही कुशल शिकारी होता है। अमरीका में भेड़ियों ने वर्षों तक हजारों पशुओं को अपना शिकार बनाया है। एक ही रात में सौ-सौ भेड़ों को मार डालना, यहां के खूनी भेड़ियों के लिए आम बात है।

अमरीका के भेड़िये भूरे भेड़िये कहे जाते हैं। किन्तु वास्तव में इनका रंग लाल होता है। कभी-कभी बहुत ही हल्के भूरे रंग के भेड़ियों को देखकर राहगीर को कुत्ते का भ्रम हो जाता है और वह उसके घेरे में फंस जाता है। ये जरूरत पड़ने पर पूरी रात दौड़ सकते हैं। इनकी गति 15 से 20 मील प्रति घंटे होती है। भेड़िये का वजन दो सौ किलोग्राम तक होता है। अलास्का के भेड़िये 8 फीट तक लम्बे होते हैं। नर भेड़िया जब फुर्सत में रहता है, तो वह अपने डेरे की रखवाली करता हुआ किसी ऊंची जगह पर बैठ जाता है। खतरा देखते ही, चिल्ला कर पूरे परिवार को सावधान कर देता है। यदि उनके क्षेत्र में कोई दूसरा अनजान भेड़िया आ जाए तो वह जिन्दा बचकर नहीं जा सकता।

नुकीले होते हैं दांत

इसके परिवार के सभी बच्चे माता-पिता के साथ रहते और घूमते हैं। एक परिवार में बड़े-छोटे पांच से दस बच्चे होते हैं। इसके दांत बहुत ही तेज, नुकीले और मजबूत होते हैं। एक ही वार में यह किसी भी पशु की रीढ़ या टांग अपने मुंह से काट सकता है। इनकी नजर बहुत तेज और सूंघने की क्षमता गजब की होती है। इसके बच्चे की जन्म के समय आंखें नीली होती हैं जो आठ महीने का होने के बाद पीली हो जाती हैं। भेड़िये अपने पंजों पर दौड़ते हैं, ताकि वे आसानी से रुक सकें और दूसरी दिशा में मुड़ सकें।

एशिया यूरोप में अधिक

भेड़िये छह मील दूर तक की आवाजें सुनने में सक्षम होते हैं। वर्ष 1600 में आयरलैंड को वुल्फ-लैंड कहा जाता था, क्योंकि यहां भेड़िये रहते थे। उस दौर में यहां वुल्फ हंटिंग एक लोकप्रिय खेल था। अधिकतर भेड़िये कनाडा, एशिया और पूर्वी यूरोप में मिलते हैं। अमरीका और अलास्का में भेड़ियों की काफी संख्या है। भेड़िये अमरीका की वर्ष 1973 में जारी लुप्त प्रजातियों की लिस्ट में सबसे पहला जानवर था। दो-तीन वर्ष की उम्र में भेड़िया अपना जोड़ा बना लेता है। एक बार में 4 से 14 बच्चे होते हैं। इन्हें 2 महीने तक मां दूध पिलाती है।

फाइनेंस की बात | फेयर वैल्यू को निर्धारित करने में मदद करता

सही वैल्यूएशन आपके निवेश को बना सकता फायदे का सौदा

हर्षा रामनानी
सीए व रजिस्टर्ड वैल्यूअर

वैल्यूएशन का अर्थ किसी कंपनी, संपत्ति या वित्तीय उपकरण का मूल्यांकन करना है। यह प्रक्रिया उस संपत्ति की फेयर वैल्यू को निर्धारित करने में मदद करती है, जो विभिन्न उद्देश्यों के लिए महत्त्वपूर्ण हो सकती है, जैसे बिक्री, अधिग्रहण, निवेश या वित्तीय रिपोर्टिंग। वैल्यूएशन के जरिए यह फैसला लिया जाता है कि कोई संपत्ति बाजार में कितनी मूल्यवान है।

वैल्यूएशन की प्रक्रिया

1. *आय दृष्टिकोण:* इससे भविष्य में होने वाले नकद प्रवाह का मूल्यांकन किया जाता है। इसे डिस्काउंटेड कैश फ्लो विधि कहा जाता है। इसमें भविष्य की आय को वर्तमान में लाने के लिए उपयुक्त डिस्काउंट रेट का उपयोग करते हैं।

2. *बाजार दृष्टिकोण:* इस तरीके में समान कंपनियों या संपत्तियों के बाजार मूल्य की तुलना की जाती है। इसमें उपलब्ध जानकारी का उपयोग कर वैल्यू को निर्धारित किया जाता है।

3. *लागत दृष्टिकोण:* इसमें निर्माण की लागत और अवमूल्यन का ध्यान रखा जाता है। यह तरीका संपत्ति या मशीनों के लिए उपयोग होता है।

वैल्यूएशन से प्राप्त जानकारी का सही उपयोग कर व्यवसाय मालिक और निवेशक बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

लाभ

- ***निर्णय लेने में सहायता:*** वैल्यूएशन व्यवसाय मालिकों को उनके व्यापार के उचित मूल्य को समझने में मदद करता है, जिससे वे सही निर्णय ले सकते हैं।
- ***निवेश का मूल्यांकन:*** वैल्यूएशन से यह समझ सकते हैं कि कोई कंपनी निवेश के लिए उपयुक्त है या नहीं।
- ***कानूनी और कर उद्देश्यों:*** इसका उपयोग संपत्ति के अधिकार, विरासत, और करों के निर्धारण में किया जाता है, जिससे कानूनी व कर संबंधी मुद्दों को सुलझाने में मदद मिलती है।
- ***बाजार में प्रतिस्पर्धा:*** वैल्यूएशन से कंपनियों को अपने प्रतिस्पर्धियों के मूल्यांकन में सहायता मिलती है, जिससे व्यवसाय को और बेहतर बना सकते हैं।

नुकसान

- ***अनिश्चितता:*** वैल्यूएशन प्रक्रिया में कई पूर्वानुमान और मान्यताएं शामिल होती हैं। इससे मूल्यांकन में अनिश्चितता आ सकती है।
- ***महंगी व समय लेने वाली:*** कई बार वैल्यूएशन की प्रक्रिया महंगी व समय लेने वाली हो सकती है, इसलिए विशेषज्ञों की सेवाओं की आवश्यकता होती है।
- ***बाजार स्थितियों का प्रभाव:*** वैल्यूएशन के परिणाम बाजार की स्थितियों पर निर्भर करते हैं, जो अप्रत्याशित रूप से बदल सकते हैं, जिससे मूल्यांकन गलत हो सकता है।
- ***आवश्यक डेटा की कमी:*** कई बार आवश्यक डेटा नहीं होता, जिससे वैल्यूएशन में कठिनाई होती है।

निष्कर्ष वैल्यूएशन व्यवसाय के विभिन्न निर्णयों के लिए एक आधार प्रदान करता है, इसे करते समय सावधानी व विशेषज्ञता जरूरी है।

नॉलेज ट्रेवल | आज भी अपने वैभव को समेटे है यहां की कला और संस्कृति

ऐतिहासिक गौरव से रूबरू करवाता हम्पी

कर्नाटक के बेल्लारी जिले में स्थित हम्पी की कला और संस्कृति आज भी अपने वैभव को समेटे हुए है। यहां मौजूद तत्कालीन पुरातत्व अवशेष उस समय की संस्कृति-कला की कहानी कहते हैं।

ऐतिहासिक नगर हम्पी के अवशेष आज भी पर्यटकों के साथ ही इतिहास और पुरातत्व के छात्रों को भी आकर्षित और सम्मोहित करते हैं। हम्पी के अवशेषों में एक रहस्य है। यहां लगभग 500 इमारतों के अवशेष 30 किलोमीटर में फैले हुए हैं। हम्पी को देखने, समझने और उसके प्राचीन वैभव-गौरव को आत्मसात करने का सर्वोत्तम तरीका उसे दो-तीन दिन में पैदल घूम-घूम कर देखना है।

संग्रहालय बताते हैं इतिहास

हम्पी बाजार से सभी प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों को देखने के बाद आप कमलापुरम् के समीप संग्रहालय में पहुंच सकते हैं। यहां लगभग 50 मीटर ऊंचा सात गोपुरम और भव्य प्रवेश द्वार वाला विरूपाक्ष शिव मंदिर भी है। विरूपाक्ष मंदिर से कुछ दूरी पर हम्पी की प्रसिद्ध लक्ष्मी नृसिंह की मूर्ति है। सिंह की आकृति वाली यह मूर्ति कुंडली मारे अनन्त नाग पर बैठी है। हम्पी बाजार से दो किलोमीटर दूर विट्ठल विठावा का मंदिर है।

स्तम्भों की नक्काशी है अद्भुत

इसकी अद्भुत नक्काशी और जीवंत मूर्तियां विजयनगर की कला का सर्वोत्तम उदाहरण हैं। इसके मंडप के स्तम्भों को 'संगीत स्तम्भ' भी कहते हैं, क्योंकि उनमें थाप देने पर संगीत की मधुर ध्वनि निकलती है। मंदिर के स्तम्भों पर घोड़ों और जीव-जन्तुओं की आकृतियां इतनी बारीक और जीवंत बनाई गई हैं कि बस इनकी आभा देखते ही बनती हैं। मंदिर के समीप एक अत्यधिक कलात्मक पत्थर का रथ है, इस रथ के पहिये अपनी धुरी पर घूमते हैं।

सब रहती खबर

हरि शंकर हरीश

प्रेम से दो शब्द कह कर देखिए।
मोम हो जाएगा पत्थर देखिए।।

आजमाया है इसे हमने बहुत।
आप भी तो आजमा कर देखिए।।

जर्रे जर्रे में नजर वो आएगा।
मन को बस कर के पवित्र देखिए।।

नाम उस को आप चाहे जो भी दें।
प्यार का है वो समंदर देखिए।।

अपने दोषों को छुपा कितना ही तू।
उसको सब रहती है खबर देखिए।।

पी लिया जिसने लेकर उसका नाम।
बन गया अमृत वो जहर देखिए।।

वक्त हर शय को मिटा देता हरीश।
प्रेम कर देता है अमर देखिए।।

'तान्हाजी' के सीक्वल पर लगी मुहर

वर्ष 2020 में आई अजय देवगन और काजोल की फिल्म 'तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। ओम राउत इसके निर्देशक थे। करीब 120 करोड़ रुपए की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 367.65 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार किया था। अब लगभग 4 साल बाद 'तान्हाजी' के सीक्वल पर मुहर लग गई है।

फिल्म की कहानी पर काम शुरू

रिपोर्ट के मुताबिक अजय और राउत 'तान्हाजी' की दूसरी किस्त के लिए साथ आ गए हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी पर काम शुरू हो गया है। अजय और राउत भारत के इतिहास के ऐसे ऐसे दिग्गज की जिंदगी पर फिल्म बनाना चाहते थे,जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया है।

चर्चित मूवी

12 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज होगी

'पुष्पा 2' के निर्माता रवि शंकर ने हाल ही एक जानकारी साझा की है। उन्होंने लिखा, 'पुष्पा 2' दुनिया भर में 12 हजार से भी ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि 'पुष्पा: द रूल' इतने बड़े पैमाने पर विश्व भर में रिलीज होने वाली यह पहली भारतीय फिल्म है। इसके साथ ही यह फिल्म बड़े पैमाने पर आईमैक्स स्क्रीन्स पर भी रिलीज होगी। फिल्म 5 दिसंबर को हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम व बंगाली भाषा में रिलीज की जाएगी।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म से वापसी करेंगे इमरान खान!

साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब रहने वाले इमरान खान को लेकर चर्चा है कि वह अब एक नए प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन दानिश असलम करेंगे। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। भूमि ने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। अगर वह फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह 'भक्षक' और आगामी 'द रॉयल्स' के बाद नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

अगले साल शुरू होगी शूटिंग

फिल्म की स्क्रिप्ट फिलहाल अपने अंतिम चरण में है। इसके बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। फैंस एक्टर की वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

रश्मिका बोलीं, 'मैं इससे बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं'

रश्मिका मंदाना ने अपनी मेहनत से शोहरत हासिल की है। एक्ट्रेस जल्द ही अल्लू अर्जुन के साथ अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा: द रूल' में नजर आने वाली हैं। इसी बीच रश्मिका ने उस रिपोर्ट पर चुप्पी तोड़ी है, जो बीते कुछ समय से सबका ध्यान आकर्षित कर रही है। सोशल मीडिया पर मंदाना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें मीडिया ने अभिनेत्री से 'पुष्पा 2' के बाद भारत की सबसे महंगी अभिनेत्री होने की रिपोर्ट के बारे में सवाल किया गया। रश्मिका ने तुरंत जवाब देते हुए कहा, 'मैं इससे बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं, क्योंकि यह सच नहीं है।'

रश्मिका ने ली 10 करोड़ फीस!

एक्ट्रेस की फीस को लेकर चर्चा है कि उन्होंने 'पुष्पा 2: द रूल' के लिए 10 करोड़ रुपए फीस ली है। यह उनके फिल्म के पहले पार्ट 'पुष्पा: द राइज' की फीस से पांच गुना ज्यादा है।

आम जीवन से जोड़कर पढ़ेंगे तो 12वीं में सरलता से सीख पाएंगे

गृह विज्ञान यानी होम साइंस ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम का एक महत्त्वपूर्ण सब्जेक्ट है। हालांकि इसे अक्सर सबसे आसान विषयों में से एक समझा जाता है और इसी के चलते स्टूडेंट्स कई बार इसके प्रति अपनी गंभीरता खो बैठते हैं। ऐसे में अगर स्टूडेंट्स तैयारी से जुड़ी सही रणनीति का पालन करें तो इस विषय में बेहतर अंक हासिल कर सकते हैं। यहां 12वीं क्लास में होम साइंस की तैयारी के बारे में जानकारी साझा की जा रही है-

डेली लाइफ से जोड़कर पढ़ें

इस विषय को गंभीरता से समझते हुए इसकी महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं को दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़ने से आप आसानी से इससे जुड़ाव पैदा कर पाएंगे। अगर आप बिना समझे इसे रटने का प्रयास करेंगे तो आपका रिजल्ट खराब हो सकता है। इसकी तैयारी के लिए ग्रुप स्टडी कर सकते हैं। इससे आप विभिन्न दृष्टिकोणों की जानकारी जुटा पाएंगे।

होम साइंस

फैक्ट्स को अलग से लिखें

गृह विज्ञान में अच्छे अंक लाने के लिए रिवीजन करना महत्त्वपूर्ण है। ऐसे में सभी फैक्ट्स और कॉन्सेप्ट्स के नोट्स बना लें। इन्हें बार-बार पढ़ें और याद न रहने वाले तथ्यों को लिख-लिखकर याद करें। कुछ भी नया पढ़ने से पहले पुराने तथ्यों को रिवाइज कर लें।

खुद को परखते रहें

तैयारी का आकलन करने के लिए समय-समय पर मॉक टेस्ट हल करें। पिछले वर्ष के पेपर को हल करने के बाद उत्तरों की जांच करें ताकि अपनी गलतियों का पता कर सकें और कमजोर क्षेत्रों का अध्ययन कर सकें। इस तरह आप इस विषय पर पकड़ बना पाएंगे।

की-वर्ड्स हाइलाइट करें

महत्त्वपूर्ण की-वर्ड्स हाइलाइट करें और अच्छी तरह से याद कर लें। साथ ही, इनके विभिन्न अर्थों को भी समझें।

फ्लोचार्ट बनाएं

गृह विज्ञान के अलग-अलग पार्ट्स से भ्रमित न हों, बल्कि इसके सिलेबस को ब्रेक कर लें और इसके बाद पढ़ाई करें। प्रत्येक के लिए अलग-अलग नोट्स और फ्लोचार्ट बनाएं। आप चाहें तो इंटरनेट की मदद से अपने नोट्स में जरूरी जानकारियां शामिल कर सकते हैं।

इन टॉपिक्स को करें मजबूत

- **खाद्य** और पोषण।
- **मानव** विकास और पारिवारिक अध्ययन।
- **कपड़ा** और परिधान।
- **संसाधन** प्रबंधन।
- **संचार** और विस्तार।
- **क्षेत्रों** से जुड़े बुनियादी ज्ञान को हासिल करें।
- **प्रोफेशनल** कॅरियर के लिए गृह विज्ञान के अनुशासन को समझें।
- **परिवार,** समुदाय और समाज से जुड़े मुद्दों, विचारों और चिंताओं का - आलोचनात्मक विश्लेषण करने का प्रयास करें।
- **कॅरियर** और रोजगार के लिए इन क्षेत्रों में अपना कार्यात्मक कौशल विकसित करें। इससे आप विशेषज्ञ के रूप में स्थापित हो पाएंगे।

'पुष्पा: द रूल' से लेकर 'बेबी जॉन' तक

इस महीने सिनेमाघरों में दस्तक देंगी ये फिल्में

वर्ष 2024 अपने अंतिम छोर पर है। इस साल बहुत सी सुपर हिट फिल्में देखने को मिलीं, जिनमें खास तौर से 'स्त्री 2, फाइटर, भूल भुलैया-3' शामिल हैं। अब दिसंबर में भी सिनेमाघरों में एक के बाद एक कई फिल्में लगने वाली हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो यह साल जाते-जाते भी मनोरंजन का भरपूर डोज देने वाला है। आइए जानें इस महीने दस्तक देने वाली कुछ बड़ी फिल्मों के बारे में...

'पुष्पा: द रूल'

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा: द रूल' वर्ष 2021 में बॉक्स ऑफिस पर सुपर हिट रही फिल्म 'पुष्पा: द राइज' का सीक्वल है। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। यह 05 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सूत्रों की मानें तो यह फिल्म हिंदी भाषा सहित तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली में भी रिलीज की जाएगी।

'मुफासा: द लायन किंग'

अमरीकी फिल्म 'द लायन किंग' का प्रीक्वल 'मुफासा: द लायन किंग' का भी बेसब्री से इंतजार हो रहा है। बता दें कि यह फिल्म हिंदी समेत तमिल और तेलुगू भाषा में 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म के हिंदी संस्करण में शाहरुख खान, अबराम खान और आर्यन खान ने अपनी आवाज दी है।

'वनवास'

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर जल्द ही फिल्म 'वनवास' में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन 'गदर' और 'गदर 2' के निर्देशक अनिल शर्मा ने किया है। इसमें इन्हीं के सुपुत्र और अभिनेता उत्कर्ष शर्मा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह इस साल 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। इस फिल्म की कहानी एक पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है।

'बेबी जॉन'

वरुण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' भी इसी महीने आ रही है। इसका निर्देशन कमान एटली ने किया है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' जैसी सुपरहिट फिल्म दी थी। वरुण के साथ इस फिल्म में कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी ने महत्त्वपूर्ण किरदार निभाया है। यह इस साल 25 दिसंबर(क्रिसमस डे) को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वरुण जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे।

कपड़ा खराब निकलने पर ग्राहक पा सकते हैं मुआवजा

संदीप लुहाड़िया
एडवोकेट

अगर आप कोई कपड़ा खरीदते हैं, जो बाद में खराब निकला और दुकानदार वापस लेने में आनाकानी कर रहा है तो घबराने की जरूरत नहीं है। कई बार लुभावने विज्ञापन के झांसे में आकर धोखाधड़ी के शिकार हो गए हैं तो उपभोक्ता संरक्षण कानून की सहायता ले सकते हैं। इसके लिए जिला एवं राज्य आयोगों के अतिरिक्त उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की मदद ले सकते हैं। जो भी कपड़ा आपने खरीदा है वह ब्रांडेड है या फिर स्थानीय बाजार का बना हुआ है यह आपको देखना होगा। यदि आपने कंपनी के अधिकृत आउटलेट से कपड़ा खरीदा है और खरीदे गए कपड़े में खामियां निकल आती हैं तो संबंधित दुकानदार वापस लेने या रिप्लेस करने से मना नहीं कर सकता। यदि खराब कपड़े को बदला नहीं जाता है तो आप उसके खिलाफ जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग में शिकायत कर सकते हैं। यहां पर आप दुकानदार, विक्रेता के साथ ही कंपनी को भी पक्षकार बना सकते हैं। यहां पर आयोग तय करता है कि मुआवजा दुकानदार देगा या कंपनी या दोनों मिलकर। लेकिन सुविधा के तौर पर आयोग के आदेश पर आप दोनों में से किसी से भी मुआवजा वसूल सकते हैं।

आसानी से बदल सकते हैं पैन कार्ड में पता

पैन कार्ड का इस्तेमाल कई जरूरी कार्यों में किया जाता है। अगर पैन कार्ड में पता बदलना चाहते हैं तो आप घर बैठे इसे बदलवा सकते हैं। बस इसके लिए आपके पास सही पते वाला आधार कार्ड होना चाहिए। अगर आधार में पता सही नहीं है तो इसे पहले ठीक करवाना होगा। पैन कार्ड में पता बदलने के बाद करीब 15 दिनों में नया पैन कार्ड मिल जाएगा। इसके लिए सबसे पहले NSDL eGov पोर्टल लॉगिन कर 'पैन कार्ड में परिवर्तन/सुधार' टैब में जाएं। अपना पैन नंबर दर्ज कर सबमिट कर दें। पंजीकरण के बाद, आपको एक संख्या मिलेगी। जरूरी जानकारी भरकर दस्तावेज अपलोड कर दें। इसके लिए ऑफलाइन भी पैन कार्ड ऑफिस में जाकर आवेदन किया जा सकता है। वहां जाकर संबंधित दस्तावेज देने होंगे।

नए कलाकारों को कास्ट करेंगे सुभाष घई!

वर्ष 2004 में आई फिल्म 'ऐतराज' उस दौर की हिट फिल्मों में से एक रही है। इसमें सभी कलाकारों की परफॉर्मेंस को आज भी खूब याद किया जाता हैं। साथ ही लोग एक बार फिर से अक्षय-प्रियंका और करीना को एक साथ देखने के लिए उत्साहित हैं। ऐसे में प्रोड्यूसर सुभाष घई ने एक खुशखबरी दी है! उन्होंने हाल ही एक इंटरव्यू के दौरान कहा, 'ऐतराज' को बने करीब 20 साल हो गए हैं, तो हमें सीक्वल आज के कॉन्टेम्परेरी आर्टिस्ट, नए जेनरेशन के एक्टर्स के साथ बनानी पड़ेगी।' इससे दो चीजें तय हो गई हैं कि सुभाष घई सीक्वल बनाने वाले हैं और दूसरी, वह कास्टिंग के लिए नए एक्टर्स का तलाश रहे हैं।

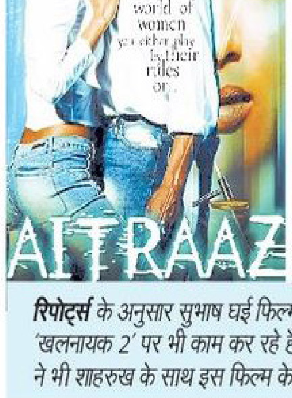

अमित राय का निर्देशक!

सुभाष घई ने ऐतराज के सीक्वल की कहानी और स्टार कास्ट पर आगे कहा, 'अभी 3-4 महीने में जैसे ही स्टोरी और कास्ट लॉक हो जाएगी, हम सीक्वल को लेकर अनाउंसमेंट कर देंगे।' बता दें कि सुभाष घई ने 'ऐतराज' को प्रोड्यूस किया था और इसका निर्देशन डायरेक्टर अब्बास-मस्तान ने किया था, लेकिन 'ऐतराज 2' के लिए सुभाष ने अमित राय को चुना है।

रिपोर्ट्स के अनुसार सुभाष घई फिल्म 'खलनायक' के सेकंड पार्ट 'खलनायक 2' पर भी काम कर रहे हैं। कुछ समय पहले 'बाजीगर' के मेकर्स ने भी शाहरुख के साथ इस फिल्म के सीक्वल को बनाने का दावा किया था।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर 20 साल बाद आया सामने भारत के खिलाफ उगला जहर, पाकिस्तान में बना रहा आतंकी सेना

नई दिल्ली 4 दिसम्बर (एजेंसी)। भारत का मोस्ट वांटेड आतंकवादी मसूद अजहर दो दशक बाद पहली बार सामने आया है। मसूद अजहर ने पाकिस्तान के अंदर अपने समर्थकों के बीच भाषण दिया है, जिसमें भारत और इजरायल के खिलाफ नए सिरे से जिहादी अभियान शुरू करने की बात कही है। उसने भारत के खिलाफ जहर उगला है।

भारत में आतंकी हमलों में वांटेड चल रहा आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर दो दशक में पहली बार सामने आया है। अजहर ने जैश-ए-मोहम्मद के कैडर को संबोधित किया है। आतंकी संगठन से जुड़े एक डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसकी जानकारी दी। मसूद अजहर ने पाकिस्तान के अंदर दिए गए अपने ताजा संबोधन में भारत और इजरायल के खिलाफ नए सिरे से जिहादी अभियान शुरू करने की बात कही है।

जेहाद में शामिल होने की अपील - द प्रिंट की रिपोर्ट के अनुसार, अजहर ने आतंकी संगठन के कैडर को दुनिया में इस्लाम का शासन लाने के लिए जिहाद में साथ देने को कहा। जैश-ए-मोहम्मद ने यह नहीं बताया कि आतंकी सरगना ने अपना भाषण किस तारीख को और कहां पर दिया था। हालांकि जैश से जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने समय-समय पर मसूद अजहर के पुराने भाषण जारी किए हैं, लेकिन यह पहला ऐसा भाषण है जो निश्चित रूप से नया है, क्योंकि इसमें गाजा युद्ध का जिक्र किया गया है।

भारत के खिलाफ उगला जहर - भारत के खुफिया अधिकारी के हवाले से द प्रिंट से बताया कि आतंकी सरगना का यह संबोधन संभवतछ पिछले महीने के आखिर में पाकिस्तान के बहावलपुर के बाहर 1000 एकड़ में फैले उम्म-उल-कुरा मदरसा और मस्जिद परिसर में हुआ था। इमारत में प्रशासनिक ब्लॉक और कई आवासीय ब्लॉक शामिल हैं। अपने भाषण में अजहर पर आतंकवादी समूह में शामिल होने के लिए अपील करता है तो बार-बार तालियां बजती हैं। मसूद अजहर अपने संबोधन में बार-बार चिल्लाता है कि 'भारत, तुम्हारी मौत आ रही है।'

पाकिस्तान ने दी थी अफगानिस्तान जाने की जानकारी - साल 2022 में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने घोषणा की थी कि मसूद अजहर अफगानिस्तान भाग गया है। यह घोषणा तब की गई थी, जब पाकिस्तान एफएटीएफ की आतंकी वित्त निगरानी सूची से अपना नाम निकालने में सफल हुआ था। साल 2003 में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकी समूह ने पाकिस्तान के पूर्व सैन्य शासक जनरल परवेज मुशर्रफ की हत्या की कोशिश की थी। इसके बाद से अजहर के सार्वजनिक रूप से आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

अजहर 2001 में भारतीय संसद पर हुए आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड है। इस मामले में उसे पाकिस्तान की जेल में डाला गया था, लेकिन उस पर कभी मुकदमा नहीं चलाया गया। साल 2016 में पाकिस्तानी अधिकारियों ने गिरफ्तारी को 'सुरक्षात्मक हिरासत' बताया था। हालांकि, इस बारे में कभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया कि उसे सुरक्षात्मक हिरासत से कब रिहा किया गया और अफगानिस्तान की उसकी कथित यात्रा किन परिस्थितियों में हुई थी।

ज्ञानोदय इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के प्रथम वर्ष के छात्रों ने हर्बल इण्डस्ट्री का विजिट

सुवाखेड़ा 3 दिसम्बर (निप्र)। जिले की प्रतिष्ठित संस्था ज्ञानोदय इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के छात्रों ने एपीआई एक्सट्रेक्शन एवं आइसोलेशन इंडस्ट्री "श्री दिवयानन्द हर्ब्स", जगगाखेड़ी, मंदसौर में स्थित प्लांट का विजिट किया। छात्रों को दवा उद्योग की गतिशीलता को समझने और मेडिसिनल प्रोडक्ट्स की उत्पादन प्रक्रिया के बारे में नयी चीजे सीखने का मौका देने के लिए दवा उद्योग की अग्रणी कंपनी "श्री दिवयानन्द हर्ब्स" कंपनी में विजिट आयोजित किया गया।

संस्था की निदेशिका डॉ.माधुरी चौरसिया ने बताया की फार्मेसी की पढ़ाई में इंडस्ट्रियल विजिट एक अहम् हिस्सा है,इससे छात्रों की कंपनी के बारे में पूरी जानकारी मिलती है। किसी भी प्रोफेशनल कोर्स में इंडस्ट्रियल विजिट का अपना महत्त्व होता है,खासकर फार्मेसी में काफी महत्त्व होता है। छात्र-छात्राओं को इंडस्ट्रियल एक्सपोजर देने के लिए ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल समय समय पर इंडस्ट्रियल विजिट,गेस्ट लेक्चर,इंटर्नशिप, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन करता है।

संस्था के प्रिंसिपल डॉ.मंगल सिंह पँवार ने कहा की इस तरह की यात्रा छात्रों को काम करने के तरीके और रोजगार प्रथाओं के माध्यम से उद्योग जगत के व्यावहारिक पहलुओं को सीखने का अवसर प्रदान करती है।

टूर कोऑर्डिनेटर प्रो.विजय ओझा,प्रो.सचिन गहलोत ने बताया की कंपनी विजिट के दौरान छात्र-छात्राओं ने सॉलिड डोज फॉर्म,लिक्विड डोज फॉर्म, टोपिकल डोज फॉर्म और क्वालिटी कंट्रोल लैब्स एवं रिसर्च लेब की उत्पादन इकाई सहित कंपनी के विभिन्न अनुभागो का दौरा किया। छात्रों को विभिन्न प्रशिक्षण प्रक्रियाओं और एस.ओ.पी. से अवगत कराया गया,जिन्हें फार्मास्यूटिकल उद्योग में काम करते समय अपनाने की आवश्यकता होती है। छात्रों ने नवीनतम प्रोध्योगिकी रुझानो के बारे में भी सीखा ताकि वे अपनी रूचि के अनुसार भविष्य में रोजगार के बारे में निर्णय ले सके। कंपनी के प्रबंधन के द्वारा एक इंटरेक्टिव विशेष व्याख्यान छात्रों के लिए एक शानदार अनुभव रहा। इस दौरान सभी छात्रों ने बहुत उत्साह के साथ कंपनी का भ्रमण किया।

विध्यार्थियों ने इंडस्ट्रीज विजिट के बाद प्राकृतिक सौन्दर्य का लुफ्त भी उठाया,इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों ने विभिन्न पर्यटन और धार्मिक स्थलों का भी दौरा किया।

इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन अनिल चौरसिया, निदेशिका डॉ.माधुरी चौरसिया, मैनेजिंग डायरेक्टर अभिनव चौरसिया, उपकुलपति डॉ.प्रशांत शर्मा, प्राचार्य डॉ. मंगल सिंह पँवार ने सभी को बधाई दी और छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की और बताया कि इस प्रकार के टूर आगे भी संस्था की ओर से करवाए जाते रहेंगे, ताकि विध्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

विश्व प्रसिद्ध कृष्ण धाम सांवरिया सेठ के दर्शन को लेकर छठी पदयात्रा 21 दिसंबर को

22 दिसंबर को बाल भोग के साथ करेंगे सेठ के दर्शन

सरवानिया महाराज 3 दिसम्बर (निप्र)। शहर से विश्व प्रसिद्ध कृष्ण धाम सांवरिया सेठजी तक निकलने वाली छठी पदयात्रा को लेकर मित्र मंडल तैयारियों में जुट गया है। पदयात्रा को लेकर सांवरिया मित्र मंडल ने अपने सभी सहयोगियों के साथ मिलकर यात्रा पर चर्चा कर कार्यक्रम तय किया।

यात्रा हर बार की तरह इस बार भी 21 दिसंबर को राजमहल रावला चौक स्थित बालाजी मंदिर परिसर प्रारंभ होकर सांवरिया सेठ मण्डफिया पहुंचेगी। यात्रा के दौरान पद यात्रियों के लिए रात्रि विश्राम, भोजन, पानी, नास्ता उचित व्यवस्था को लेकर योजना तैयारियां की गई। पद यात्रा मित्र मंडल की यह यात्रा दो दिन की रहती है सरवानिया से प्रारम्भ होकर उपरेडा के रास्ते जावद नयागांव से डोरिया चौराया पहुंचेगी जहां यात्रा का पहला पड़ाव का रात्रि विश्राम रहेगा। दूसरे पड़ाव की पदयात्रा 22 दिसंबर को प्रातः 4 बजे डोरिया चौराया से प्रारंभ होकर आवरी माता जी के दर्शन करते हुए मण्डफिया के राजा सांवरिया सेठ के दरबार पहुंचेगी इस पदयात्रा में शहर के कई समाजसेवियों द्वारा जगह-जगह अल्पाहार की व्यवस्था की जाती है। इस पद यात्रा को लेकर सांवरिया मित्र मंडल ने शहर के सभी नगर वासियों से निशुल्क पदयात्रा में अधिक से अधिक पंजीयन करवाकर दर्शन लाभ लेने का आग्रह किया है।

सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण शहर के मध्य करने की मांग

पालक महासंघ जिला इकाई नीमच आज कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

नीमच 3 दिसम्बर (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा जिला मुख्यालय नीमच पर सीएम राइज स्कूल लंबे अर्से से स्वीकृत होकर जिले में अन्य जगहों पर भवन के निर्माण भी हो चुके हैं किंतु उपयुक्त स्थल की चयनित प्रक्रिया में विलंब के कारण आज तक भवन निर्माण का स्थान फाइनल नहीं हो पाया है। निर्माण स्थल की चयन प्रक्रिया में विलंब को देखते हुए उक्त भवन निर्माण स्थल का सर्वसुविधायुक्त उपयुक्त स्थान शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 नीमच कैंट छात्र-छात्राओं एवं पालकगणों के हित को दृष्टिगत रखते हुए उचित होने से पालक महासंघ जिला इकाई नीमच की ओर से डॉक्टर मोहन यादव मुख्यमंत्रीजी मध्य प्रदेश शासन के नाम ज्ञापन चयनित स्थान के संबंध में उपयुक्त 11 बिंदु दर्शाते हुए ज्ञापन कलेक्टर महोदय जिला नीमच को प्रस्तुत किया जाएगा।

एक्शन मोड में डीजीपी कैलाश मकवाना...

नशे और साइबर क्राइम को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश पुलिस के नए मुखिया कैलाश मकवाना ने पदभार ग्रहण करने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने यातायात, सुरक्षा, साइबर क्राइम और नशे को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं. इसके अलावा महिला संबंधी अपराधों पर विशेष फोकस करने को भी कहा है। मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने सभी जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्रोफेशनल तरीके से संवेदनशीलता के साथ लोगों की मदद करने के निर्देश दिए. पुलिस मुखिया मकवाना ने सभी जिले के एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से कहा, जनसुनवाई के दौरान आने वाली शिकायतों में भी साइबर क्राइम पर पूरा फोकस किया जाए। इसके अलावा मध्य प्रदेश में होने वाले साइबर क्राइम, महिला संबंधी अपराध, सुरक्षा, यातायात और नशे की अवैध कारोबार को लेकर जागरूकता अभियान शुरू किया जाए, ताकि लोगों को इन अपराधों के प्रति जागरूक किया जा सके. उन्होंने कहा, यदि लोग जागरुक हो जाएंगे तो साइबर क्राइम पर पूरी तरह अंकुश लग सकेगा।

आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए..

अजय कुमार शर्मा हाउसिंग कॉरपोरेशन के नए चेयरमैन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में पुलिस अफसरों के तबादले किए गए हैं. अजय कुमार शर्मा को एमपी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का चेयरमैन बनाया गया है. इससे पहले वे आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में पदस्थ थे। उपेंद्र जैन को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के नए डीजी की जिम्मेदारी दी गई है. कैलाश मकवाना के डीजीपी बनने के बाद पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के चेयरमैन का पद खाली था. पुलिस विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

सराफा बाजारः अक्टूबर में भारतीय रिजर्व बैंक ने खरीदा 27 टन सोना

इंदौर 4 दिसम्बर (एजेंसी)। आने वाले समय में सोने में निवेश बढ़ सकता है। कामेक्स पर सोना वायदा 2642 डालर तक जाने के बाद 2651 डालर और नीचे में 2636 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 30.81 डालर तक जाने के बाद 31.13 डालर और फिर नीचे में 30.78 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखी गई।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार रिजर्व बैंक सोने की खरीदी के मामले में शीर्ष पर बना हुआ है। अक्टूबर माह में भारतीय रिजर्व बैंक ने 27 टन सोना खरीदा।

इस वर्ष कुल खरीदी का आंकड़ा 77 टन तक पहुंच चुका है। जो सबसे ज्यादा है। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया में आपातकाल लगाने की खबरों के बाद वैश्विक बाजार में फिर से सुरक्षित निवेश के रूप में सोने में पूछताछ बढ़ी है।

बुधवार को कामेक्स पर सोना वायदा 2624 डालर प्रति औंस और चांदी वायदा 30.81 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया।

दो बाइक की टक्कर में 4 घायल

नीमच (निप्र)। मनासा थाना के मनासा-रामपुरा रोड के पास गांव घोटापिपल्या में मंगलवार रात को दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक पर सवार चार लोग घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस की मदद से पहले मनासा के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से 3 लोगों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल नीमच रेफर किया गया। वहीं, एक व्यक्ति का इलाज अभी शासकीय अस्पताल में ही चल रहा है।

घायलों में एक महिला भी शामिल - जानकारी के मुताबिक गांव घोटापिपल्या के पास दो बाइक की टक्कर से 4 लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला भी शामिल है। हादसे में बाइक सवार इंद्रा बाई (34) निवासी किरपुरिया, पति राजमल (40), उदयराम (60) निवासी अरनिया चंद्रावत घायल हुए हैं।

दूसरी बाइक पर था एक व्यक्ति - वहीं, दूसरी बाइक पर सवार पप्पू (25) भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। तीन घायलों इंद्रा बाई, राजमल और उदयराम को जिला अस्पताल नीमच रेफर किया। वहीं, पप्पू का मनासा में उपचार किया गया। हादसे की जांच में पुलिस जुटी हुई है।

2 मोटरसायकिलें भिड़ी, 4 लोग घायल

नीमच (निप्र)। जिले के गांव घोटा पिपलिया में मंगलवार रात में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दोनों मोटरसाइकिल पर सवार 4 लोग घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस की मदद से पहले मनासा के शासकीय अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर होने पर 3 घायलों को जिला अस्पताल नीमच रेफर किया गया

मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस थाना मनासा अंतर्गत गांव घोटा पिपलिया के पास दो मोटरसाइकिलों की टक्कर से 4 लोग घायल हो गए। हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों में इंद्रा बाई (34) निवासी किरपुरिया, पति राज मल (40), उदयराम (60) निवासी अरनिया चंद्रावत घायल हुए हैं। वहीं दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार पप्पू (25) भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। तीन घायलों इंदिरा बाई, राजमल और उदयराम को जिला अस्पताल नीमच रेफर किया। वहीं, पप्पू का मनासा में उपचार किया गया। पुलिस ने प्रकरण जांच में लिया है।

जैविक खाद की खेती के बिना जीवन सुरक्षित नहीं - डेनियल किलिंग

जर्मनी के पर्यावरण प्रेमी डेनियल किलिंग जमुनिया ग्राम में पहुंचे, ग्रामीणों ने ढोल धमाके व पुष्प माला से किया सम्मान

नीमच 3 दिसंबर (निप्र)। यदि किसान 3 साल तक लगातार जैविक खाद का उपयोग करते हैं तो खेत की भूमि उपजाऊ रहती है। और फसल की मात्रा भी बढ़ सकती है। खेत के चारों ओर पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। पेड़ से जमीन उपजाऊ रहती है। मिट्टी का कटाव होता है। पर्यावरण की रक्षा करना मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। यह बात जर्मनी के पर्यावरण प्रेमी पेड़ों के डॉक्टर के रूप में विख्यात डेनियल किलिंग ने ग्राम पंचायत जमुनिया में पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण एवं स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहीं। वे ग्राम पंचायत जमुनिया द्वारा आयोजित पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाएं बनाकर पर्यावरण की रक्षा के लिए सहभागी बन रहा है।युवाओं को चाहिए कि यदि एक पेड़ काटते हैं तो दो पेड़ अवश्य लगाएं और उनका कर्तव्य है कि उस पेड़ को अपनी संतान की तरह पालन करें। मुझे भारत आकर बहुत अच्छा लगा।भारतीय संस्कृति से अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि खेतों की रक्षा करना है तो जैविक खाद का उपयोग करना चाहिए। रासायनिक खाद को छोड़ देना चाहिए। पेड़ों की रक्षा करेंगे तभी हमारा जीवन सुरक्षित रह सकता है।पेड जीवन जीने के लिए आक्सीजन प्रदान करते हैं। ग्राम पंचायत जमुनिया की सरपंच श्रीमती सुमन विनोद जायसवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्राम पंचायत अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। पर्यावरण के विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विभिन्न औषधि के पौधे भी लगाए जाएंगे। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी डेनियल किलिंग ने जर्मनी भाषा में अपने विचार व्यक्त किये जिसका हिंदी अनुवाद क्रमशः तन्मय शाह एवं राहुल जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय जायसवाल महासभा के राष्ट्रीय प्रचार सचिव अर्जुन सिंह जायसवाल, बद्री लाल शर्मा, बालमुकुंद शर्मा, लोकेश जाटव, लेखचंद जाटव, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जमुनिया के बालक प्रधान मंत्री पीयूष मालवीय, बालिका प्रधानमंत्री मनीषा धनगर, रंजन कंवर राठौड़, रेशमा सरगरा ,किरण रैकवार, अंकित धनगर आदि क्षेत्र के ग्रामीण एवं किसान एवं विद्यालय के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत में ग्रामीण किसान, हायर सेकेंडरी के विद्यार्थी, ग्राम पंचायत एवं विद्यालय के स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित सभी ने डेनियल किलिंग को माल्यार्पण कर आत्मीय सम्मान किया।कार्यक्रम का संचालन राहुल जैन ने किया तथा आभार सरपंच प्रतिनिधि विनोद जायसवाल ने व्यक्त किया।

आत्मीय स्वागत देख मन प्रफुल्लित हुआ - एक प्रश्न के उत्तर में डेनियल किलिंग ने बताया कि वह जर्मनी देश के राजधानी बर्लिन के समीप नौयोपिन शहर में रहते हैं। वे एक कंपनी में कार्यरत है ।पर्यावरण रक्षा के लिए वे सदैव सेवा कार्य करते रहते हैं। पर्यावरण के संबंध में कोई अधिक जानकारी चाहे तो इंस्टाग्राम परIG:'german_shehzadaa' पर भी फॉलोप कर संपर्क कर सकते हैं। वे अपने मित्र के विवाह समारोह में दाहोद गुजरात भाग लेने के लिए भारत आए हैं 22 दिसंबर तक में भारत में रहेंगे। इसके बाद में पुनः जर्मनी के लिए प्रस्थान करेंगे। विभिन्न पर्यावरण रक्षा के संगठनों से मिलेंगे। विद्यार्थियों के आग्रह पर उन्होंने मस्ती में झूम कर ढोल की थाप पर नृत्य भी प्रस्तुत किया। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि एकता में ही शांति होती है सभी मिलकर रहेंगे तो खेती भी लाभ का कार्य बन सकती है। राजसी वैभव वाला स्वागत मन को छू गया है। सोशल मीडिया पर आई हर बात सच नहीं होती है। अपने अनुभव के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। यूरोपीय देश विकासशील हो रहे हैं लेकिन भारत भी अपनी गति से विकास कर रहा है

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण आवश्यक - पर्यावरण प्रेमी दाहोद गुजरात निवासी तन्मय शाह 2 वर्षों से जर्मनी में रहकर गिजमा विश्वविद्यालय से मैनेजमेंट का कोर्स कर रहे हैं। शाह ने बताया कि मिट्टी की उर्वरा क्षमता बनाए रखने के लिए जैविक खाद एक अमृत संजीवनी औषधि है। जैविक खाद के उपयोग से फसल अधिक होती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु ~~45990/-~~ रु 42000/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रु 42000/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु...

RTO मॉडल मात्र
रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वांरटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।